अविनाशी साथी सदा काल का साथ निभाता
राजयोग के बल से हमको आप समान बनाता
ले आया है अपने हाथों में स्वर्ग की वो सौगात
हम बच्चों पर करता है वो खुशियों की बरसात
मुरली के माध्यम से करता है वो यही फरमान
बनकर देहिअभिमानी बन जाओ तुम मेरे समान
लग्न में तुम मगन रहना आये चाहे विघ्न हजार
बाबा सदा रहे दिल में बाबा हो अपना संसार
जगाओ दिल में सबके लिए एक रस व्यवहार
भेदभाव भूलाकर बांटो सबको ईश्वरीय प्यार
विकारों भरी दुनिया से खुद को बचाते जाओ
विष छुड़ाकर सबको ज्ञानामृत पिलाते जाओ
विकारों से जग को छुड़ाना सबसे बड़ी है सेवा
ऐसी सेवा करने वाला ही खाये स्वर्ग का मेवा
विश्व सेवा करने के लिए बन जाओ विकारमुक्त
विकारमुक्त बनना है तो सदा रहो तुम योगयुक्त
ॐ शांति